कोलोन और मलाशय का कैंसर

Cancer of the Colon and Rectum

The colon is also called the large bowel or large intestine. It is the lower 5 to 6 feet of the digestive system. The last 8 to 10 inches of the colon is the rectum. Colon cancer, sometimes called colorectal cancer, is cancer that starts in the large intestine or rectum.

Cancer cells are abnormal cells. Cancer cells grow and divide more quickly than healthy cells. Some cancer cells may form growths called tumors. All tumors increase in size, but some tumors grow quickly, others slowly. Some cancer cells spread to other parts of the body through the blood and lymph systems.

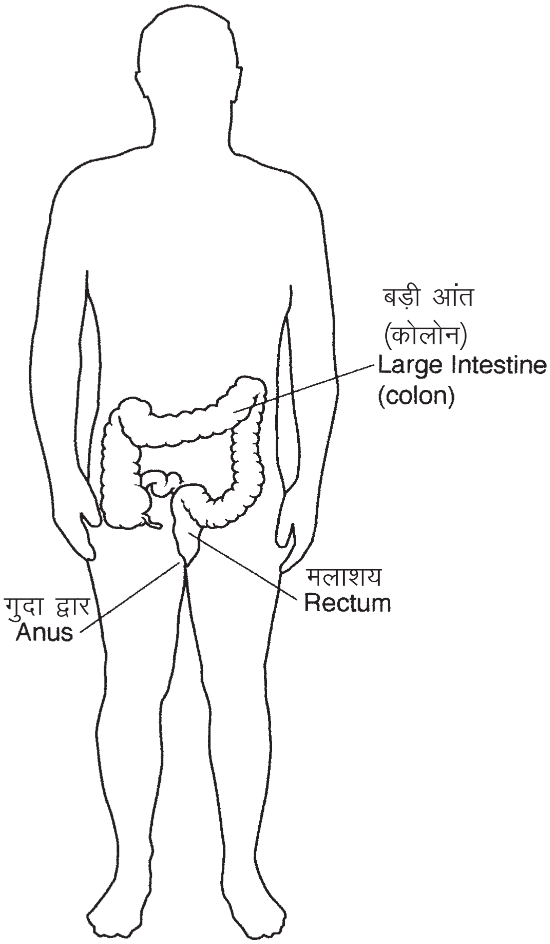

कोलोन को वृहदांत्र या बड़ी आंत भी कहा जाता है। यह पाचन तंत्र का निचला 1.5 – 1.8 मीटर (5 से 6 फुट) हिस्सा होता है। कोलोन का अंतिम 20 – 25 सैं.मी (8 से 10 इंच) वाला हिस्सा मलाशय होता है। कोलोन का कैंसर, जिसे कभी–कभी कोलोरेक्टल कैंसर भी कहा जाता है, ऐसा कैंसर है जो बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होता है।

कैंसर वाली कोशिकाएं असामान्य कोशिकाएं होती हैं। कैंसर वाली कोशिकाएं स्वस्थ कोशिकाओं की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ती और विभाजित होती हैं। कैंसर वाली कुछ कोशिकाओं के कारण शरीर के किसी अंग में वृद्धि भी हो सकती है जिसे ट्यूमर कहा जाता है। सभी ट्यूमरों का आकार बढ़ता है, लेकिन कुछ ट्यूमर तेजी से बढ़ते हैं जबकि अन्य धीरे–धीरे बढ़ते हैं। कैंसर वाली कुछ कोशिकाएं रक्त और लसिका तंत्रों के जरिए शरीर के अन्य हिस्सों तक भी फैल सकती हैं।

Signs

Cancer of the colon and rectum often has no signs. **See your doctor** if you have any of these signs:

- Dark or bright red blood in or on the stool
- Diarrhea or constipation that does not go away or other change in bowel habits
- Pain in the lower abdomen
- Loss of weight for no reason
- Feel tired or lack energy
- Stools are more narrow than usual for more than a few days. This may be from a tumor in the rectum.

लक्षण

कोलोन और मलाशय के कैंसर के अक्सर कोई लक्षण नहीं होते हैं। यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण हो तो **अपने डॉक्टर को दिखाए:**

- मल में गहरा या चमकदार लाल खून आना
- दस्त या कब्ज जो दूर न होता हो या शौच की आदतों में अन्य बदलाव आना
- उदर के निचले भाग में दर्द
- बिना किसी कारण के वजन कम होना
- थकान या ऊर्जा की कमी महसूस करना
- कुछ दिनों से अधिक समय से मल सामान्य से कहीं कम मोटाई में हो रहा हो। यह मलाशय में ट्यूमर के होने के कारण हो सकता है।

Types of Tumors

Tumors found in the colon or rectum can be benign or malignant.

- **Benign tumors** do not spread to other parts of the body. They can be removed by surgery. Cysts are benign tumors that contain fluid.
- **Malignant tumors** may grow into the nearby tissues, organs or blood.

ट्यूमर के प्रकार

कोलोन या मलाशय में पाए जाने वाले ट्यूमर हानिरहित (बेनाइन) या कैंसर वाले (मैलिग्नैंट) हो सकते हैं।

- **हानिरहित ट्यूमर** शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं फैलते हैं। इन्हें शल्यक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है। सिस्ट ऐसे हानिरहित ट्यूमर होते हैं जिनमें द्रव भरा होता है।
- **कैंसरवाले ट्यूमर** नजदीकी ऊतकों, अंगों या रक्त में फैल सकते हैं।

Your Care

Tests

If your doctor thinks you may be at risk for cancer, you may have some of these tests:

- **Physical exam** with a rectal exam where the doctor inserts a lubricated gloved finger into the rectum to feel for lumps.
- **Sigmoidoscopy** where a thin, flexible tube is put into the rectum to let the doctor see inside the lower part of the colon.
- **Colonoscopy** where a thin, flexible tube is put into the rectum to let the doctor see the entire length of the colon.
- Samples of tissue are removed for testing, called a **biopsy**.
- **Barium enema** where liquid barium and air is put into the rectum to see the colon on x-ray.
- **Blood tests** to check blood loss and how well the liver is working.

If tumors are found, your doctor may order x-rays, CT scans and other types of blood tests to see if the cancer has spread to other parts of the body.

आपकी देखभाल

परीक्षण

यदि आपका डॉक्टर सोचता है कि आपको कैंसर होने का खतरा हो सकता है, तो आपको इन परीक्षणों में से कुछ कराने पड़ सकते हैं:

- **शारीरिक जांच** के साथ मलाशय परीक्षण किया जाता है जिसमें डॉक्टर गांठों को महसूस करने के लिए चिकनाई वाले दस्ताने पहनकर उंगली भीतर डालता है।
- **सिग्मोयडोस्कोपी** में मलाशय में एक पतली, लचीली ट्यूब डाली जाती है ताकि डॉक्टर कोलोन के निचले हिस्से के भीतर देख सके।
- **कोलोनोस्कोपी** में मलाशय में एक पतली, लचीली ट्यूब डाली जाती है ताकि डॉक्टर कोलोन की पूरी लंबाई में देख सके।
- परीक्षण के लिए ऊतकों के नमूने निकाले जाते हैं, जिसे **बायोप्सी** कहा जाता है।
- **बेरियम एनीमा** में मलाशय के भीतर तरल बेरियम और हवा डाली जाती है ताकि एक्स–रे में कोलोन को देखा जा सके।
- रक्त की हानि की जांच करने और लिवर कितनी अच्छी तरह काम कर रहा है यह जांचने के लिए **रक्त परीक्षण** किए जाते हैं।

यदि ट्यूमर पाए जाते हैं, तो आपका डॉक्टर यह देखने के लिए कि क्या कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों तक फैला है या नहीं एक्स–रे, सीटी स्कैन और अन्य प्रकार के रक्त परीक्षण कराने के आदेश दे सकता है।

Treatment

After all of your tests are done, your doctor will talk to you about treatments that are best for you. Treatment may include:

- **Surgery** to remove the tumor. The kind of surgery will depend on the location and size of the tumor. Often, the part of the colon with cancer is removed.
- **Radiation therapy** to stop or slow the growth of cancer. It is often used after surgery to destroy any cancer cells that may remain.
- **Chemotherapy** medicines to kill cancer cells. These medicines are given by mouth, by injection into a muscle or vein, or directly into the affected organ to treat cancer. These medicines help kill cancer cells.
- **Immunotherapy** may also be called biotherapy. This treatment uses natural substances made by the body's immune system. This kills cancer cells, slows their growth or helps the immune system fight the cancer in a better way.

You may have one or more cancer treatments. Some patients have surgery followed by radiation therapy or chemotherapy.

उपचार

आपके सारे परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, आपका डॉक्टर आपसे उन उपचारों के बारे में बात करेगा जो आपके लिए सर्वोत्तम हैं। उपचार में निम्न शामिल हो सकते हैं:

- **शल्यक्रिया** द्वारा ट्यूमर को निकालना। इस प्रकार की शल्यक्रिया ट्यूमर की स्थिति और आकार पर निर्भर करती है। अक्सर, कोलोन के कैंसरग्रस्त हिस्से को निकाल दिया जाता है।
- **विकिरण थेरेपी** द्वारा कैंसर की वृद्धि को रोकना या धीमा करना। इसका प्रयोग अक्सर शल्यक्रिया के बाद भी बचे रह सकने वाली कैंसर वाली कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किया जाता है।
- **कीमोथेरेपी** दवाएं कैंसर वाली कोशिकाओं को समाप्त करती हैं। ये दवाएं कैंसर का उपचार करने के लिए मुंह से, किसी मांसपेशी या नस में इंजेक्शन द्वारा, या प्रभावित अंग में प्रत्यक्ष रूप से दी जाती हैं। ये दवाएं कैंसर वाली कोशिकाओं को समाप्त करने में सहायता करती हैं।
- **इम्यूनोथेरेपी** को बायोथेरेपी भी कहा जा सकता है। इस उपचार में शरीर के प्रतिरोधक तंत्र द्वारा बनाए जाने वाले प्राकृतिक पदार्थों का प्रयोग किया जाता है। यह कैंसर वाली कोशिकाओं को समाप्त करता है, उनकी वृद्धि को ध ीमा करता है या कैंसर से बेहतर ढंग से लड़ने में प्रतिरोध ाक तंत्र की सहायता करता है। इसका प्रयोग कैंसर के अन्य उपचारों के दुष्प्रभावों को कम करने में भी किया जा सकता है।

आपके एक या एक से अधिक कैंसर के उपचार हो सकते हैं। कुछ रोगियों की शल्यक्रिया के बाद विकिरण थेरेपी या कीमोथेरेपी की जाती है।

Follow-up Care

Regular visits to your doctor are important. Your care at these visits may include blood tests, CT scans, chest x-rays or other tests. Report any problems to your doctor between visits.

फॉलोअप देखभाल

अपने डॉक्टर से नियमित समय पर मुलाकात करना महत्वपूर्ण है। इन मुलाकातों में होने वाली आपकी देखभाल में रक्त परीक्षण, सीटी स्कैन, छाती के एक्स–रे या अन्य परीक्षण शामिल हैं। कोई समस्या होने पर मुलाकातों के बीच अपने डॉक्टर को सूचित करें।

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

यदि आपके कोई प्रश्न या चिंताएं हों तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।

© 2008 - March 30, 2016, Health Information Translations.

Unless otherwise stated, user may print or download information from www.healthinfotranslations.org for personal, non-commercial use only. The medical information found on this website should not be used in place of a consultation with your doctor or other health care provider. You should always seek the advice of your doctor or other qualified health care provider before you start or stop any treatment or with any questions you may have about a medical condition. The Ohio State University Wexner Medical Center, Mount Carmel Health System, OhioHealth and Nationwide Children's Hospital are not responsible for injuries or damages you may incur as a result of your stopping medical treatment or your failure to obtain treatment.